पानीपत जिला

1. पानीपत जिला एक नज़र में

जिले की स्थापना	1 नवम्बर 1989 (1991 में जिला समाप्त हुआ; 1 जनवरी 1992 को पुनः जिला बना)
शहर की स्थापना	पांडवों द्वारा अथवा महाराजा दंडपति द्वारा
नामकरण	पांडु के कारण / पाणिनि ऋषि के नाम पर
प्राचीन नाम	पांडुप्रस्थ, पणप्रस्थ
क्षेत्रफल	1268 वर्ग किमी
उपनाम	बुनकर नगरी/वीवर सिटी, पणपथ, पेट्रो केमिकल हब, हैंडलूम का शहर, कॉस्ट ऑफ कैपिटल
विधानसभा सीटें	पानीपत ग्रामीण, पानीपत शहर, इसराना, समालखा
तहसील	पानीपत, समालखा, इसराना, बापौली, मतलौडा
उपतहसील	कोई नहीं

hrgk.in

ध्यान दें: पानीपत हरियाणा का एकमात्र ऐसा जिला है जिसका गठन दो बार हुआ है (1989 में बना, 1991 में समाप्त हुआ, फिर 1992 में पुनः बना) — यह तथ्य परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है।

2. ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल

इतिहास

पौराणिक कथा के अनुसार पानीपत महाभारत काल में पांडवों द्वारा स्थापित पाँच नगरों (प्रस्थों) में से एक था; इसका ऐतिहासिक नाम **'पांडुप्रस्थ'** है। यह नगर भारतीय इतिहास की तीन सबसे निर्णायक लड़ाइयों का साक्षी रहा है।

पानीपत का प्रथम युद्ध (1526)

यह युद्ध **21 अप्रैल 1526** को दिल्ली सल्तनत के सुल्तान इब्राहिम लोदी तथा बाबर की सेनाओं के बीच लड़ा गया था। बाबर की सेना ने इब्राहिम लोदी की एक लाख से अधिक सैनिकों वाली सेना को हरा दिया। इस युद्ध ने भारत में बहलोल

लोदी द्वारा स्थापित 'लोदी वंश' का अंत कर दिया तथा मुगल साम्राज्य की नींव रखी।

पानीपत का द्वितीय युद्ध (1556)

यह युद्ध **5 नवंबर 1556** को अकबर तथा सम्राट **हेमचंद्र विक्रमादित्य (हेमू)** के बीच लड़ा गया था। हेमू उत्तर भारत के राजा थे तथा हरियाणा के रेवाड़ी से संबंध रखते थे।

पानीपत का तृतीय युद्ध (1761)

यह युद्ध सन **1761** में अफगान आक्रमणकारी **अहमद शाह अब्दाली** तथा मराठों (पुणे के सदाशिवराव भाऊ पेशवा के नेतृत्व में) के बीच लड़ा गया था। इस युद्ध में अहमद शाह अब्दाली ने सदाशिवराव भाऊ को हराकर विजय प्राप्त की।

काबुली बाग मस्जिद

पानीपत का प्रथम युद्ध जीतने के बाद बाबर ने अपनी बेगम **मुसम्मत काबुली** की स्मृति में इस मस्जिद का निर्माण करवाया था।

सलार गंज गेट

इस प्रवेश द्वार को 'बाब-ए-फैज़ गेट' (अर्थात 'लाभ का द्वार') भी कहा जाता है। इसका निर्माण **1737 ई.** में नवाब सादिक द्वारा करवाया गया था; यह द्वार हैदराबाद के निज़ाम के प्रधानमंत्री सलार जंग की स्मृति में बनवाया गया था।

देवी मंदिर

देवी दुर्गा को समर्पित इस मंदिर के बारे में मान्यता है कि निर्माण के दौरान देवी की मूर्ति को रात में एक स्थान से दूसरे स्थान पर रखा गया, परंतु सुबह वह मूर्ति पुनः उसी मूल स्थान पर पाई गई; इसके बाद निर्णय लिया गया कि मंदिर उसी स्थान पर बनाया जाए जहाँ मूर्ति मिली थी।

शेख बू अलीशाह कलंदर की दरगाह

चिश्ती सिलसिले के संत शेख शरफुद्दीन बू अली कलंदर को समर्पित यह लगभग 700 वर्ष पुरानी दरगाह है। इस परिसर में दो अन्य कब्रें भी हैं — हकीम मुकर्रम खान की, तथा उस समय के प्रसिद्ध उर्दू कवि मौलाना **अल्ताफ हुसैन हाली** की।

3. जिले की अन्य महत्वपूर्ण बातें

ऐतिहासिक समयरेखा

- **21 अप्रैल 1526** पानीपत का प्रथम युद्ध — बाबर बनाम इब्राहिम लोदी।
- **5 नवं 1556** पानीपत का द्वितीय युद्ध — अकबर बनाम हेमू।
- **1737** सलार गंज गेट का निर्माण हुआ।

hrgk.in

- **1761** पानीपत का तृतीय युद्ध — अहमद शाह अब्दाली बनाम मराठा (सदाशिवराव भाऊ)।
- **1980** बाहौली गांव में इंडियन ऑयल रिफाइनरी शुरू हुई।
- **1 नवं 1989** पानीपत जिले की पहली बार स्थापना हुई।
- **1991** पानीपत जिला समाप्त कर दिया गया।
- **1 जन 1992** पानीपत जिला पुनः स्थापित हुआ।
- **1998** इंडियन ऑयल रिफाइनरी को इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (IOC) ने अधिग्रहीत किया।
- **22 जन 2015** 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान की शुरुआत पानीपत से हुई।

धार्मिक स्थल

- **गौस अलीशाह की मजार** – पानीपत में स्थित।
- **जामा मस्जिद** – पानीपत; यह हुमायूं के समय की बनी हुई है।
- **सैय्यद रोशन अली की दरगाह** – पानीपत में स्थित।
- **शेख अनाम अल्ला की मजार** – पानीपत में स्थित।

ऐतिहासिक स्थल

- **समसुद्दीन का मकबरा** – पानीपत में स्थित।
- **हेमू की समाधि** – सैदापुर गांव (पानीपत) में स्थित।
- **हाली की दरगाह/समाधि** – अल्ताफ हुसैन हाली (ख्वाजा हाली), प्रसिद्ध उर्दू कवि, की समाधि।
- **इब्राहिम लोधी का मकबरा** – पानीपत में स्थित।
- **काला अंब स्मारक** – पानीपत के तृतीय युद्ध से संबंधित स्मारक स्थल।
- **आध्यात्मिक संग्रहालय** – पानीपत में स्थित।

मेले एवं पर्यटन स्थल

- **पाथरी माता का मेला** – पाथरी गांव (पानीपत) में लगता है।
- **स्काईलार्क पर्यटन स्थल** – पानीपत में स्थित।
- **ब्लूज़े पर्यटन स्थल** – समालखा (पानीपत) में स्थित।

उद्योग

- **नेशनल फर्टिलाइज़र लिमिटेड (NFL)** – पानीपत में स्थित।

hrgk.in

- **अमोनिया प्लांट** – पानीपत में स्थित।
- **इंडियन ऑयल रिफाइनरी** – बाहौली गांव; 1980 में शुरू, 1998 में IOC द्वारा अधिग्रहित।
- **पंचरंगा अचार** – पानीपत इसके लिए प्रसिद्ध है।

पानीपत के प्रथम / रिकॉर्ड

- **नौलथा गांव** – यहाँ प्रदेश का पहला जिला ऊर्जा पार्क तथा जवाहर नवोदय विद्यालय, दोनों स्थित हैं।
- **बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान** – इसकी शुरुआत पानीपत से 22 जनवरी 2015 को हुई थी।
- **एलिवेटेड सड़क पुल** – NH-44 पर स्थित प्रदेश का सबसे लंबा एलिवेटेड सड़क पुल पानीपत में है।
- **अनाज व वस्त्र बैंक** – प्रदेश का प्रथम अनाज व वस्त्र बैंक पानीपत में है।
- **कंबल निर्यात** – भारतीय सेना को 75% कंबलों का निर्यात पानीपत जिले से होता है।

4. महान व्यक्तित्व

नाम	परिचय / योगदान
नीरज चोपड़ा	खंडरा गांव; जन्म 24 दिसम्बर 1997; भाला फेंक खिलाड़ी; टोक्यो ओलंपिक 2020 में 87.58 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता; अभिनव बिंद्रा के बाद विश्व चैंपियनशिप स्तर पर एथलेटिक्स में स्वर्ण जीतने वाले दूसरे भारतीय; पेरिस ओलंपिक 2024 में रजत पदक जीता।
आचार्य देवव्रत	पानीपत; गुजरात के राज्यपाल।
दरिया सिंह मलिक	उमराखेड़ी गांव; 'चंद्रावल' फिल्म में खूंडा की भूमिका निभाई।
साजिदा जैदी	पानीपत; उर्दू कवयित्री।
देशबंधु गुप्ता	प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी।
अल्ताफ हुसैन हाली	पानीपत; 1837–1914; गुरु मिर्जा गालिब; उर्दू भाषा के प्रसिद्ध कवि व लेखक; 1904 में अंग्रेजों द्वारा 'समसुल उलेमा' की उपाधि दी गई।
जाह्नवी	पानीपत; 'हरियाणा की वंडर गर्ल' नाम से प्रसिद्ध।
ख्वाजा अहमद अब्बास	पानीपत; फिल्म निर्देशक।
अनुपचंद आफताब	पानीपत; हरियाणा के पहले राजकवि (उर्दू भाषा) का दर्जा प्राप्त।

hrgk.in

अवनी चतुर्वेदी	पानीपत; जेट फाइटर प्लेन उड़ाने वाली पहली भारतीय महिला।

hrgk.in